नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क राज्य का बुरा हाल

कोई विवि, कॉलेज टॉप 100 में नहीं

रविवि समेत राजकीय संस्थानों की रैंकिंग गिरी

मैनेजमेंट में आईआईएम रायपुर को 15 रैंक बैंड

इंजीनियरिंग में एनआईटी को 64 रैंक बैंड

मेडिकल में एम्स रायपुर समेत कोई संस्थान नहीं

नवभारत ब्यूरो ◆ रायपुर.
www.navabharat.news

नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) गुरुवार को जारी की गई. इसमें छत्तीसगढ़ के संस्थानों का बुरा हाल है. ओवरऑल, यूनिवर्सिटी और कॉलेज कैटेगरी के टॉप 100 में राज्य के कोई भी संस्थान जगह बनाने में विफल रहे. रविवि की रैंकिंग पिछली बार से भी नीचे चली गई. लॉ, मेडिकल कैटेगरी में तो और हालत खराब है. रायपुर के आईआईएम और एनआईटी की रैंकिंग जरूर सुधरी है, लेकिन मैनेजमेंट और इंजीनियरिंग कैटेगरी में. ओवरऑल में एनआईटी रैंक बैंड 101-150 में है.

◆ शेष पेज 5 पर

आईआईटी मद्रास तीसरे वर्ष भी सर्वश्रेष्ठ संस्थान

शिक्षा मंत्रालय की वार्षिक राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचा (एनआईआरएफ)-2021 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास ने लगातार तीसरे वर्ष पूरे भारत में पहला स्थान बरकरार रखा जबकि सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान संस्थाओं की श्रेणी में भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बेंगलुरु को प्रथम स्थान मिला. शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने एनआईआरएफ का छठा संस्करण जारी किया. सम्पूर्ण संस्थाओं की श्रेणी में नई दिल्ली स्थिति जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय को नौवां और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी को दसवां स्थान प्राप्त हुआ.

कोई विवि, कॉलेज टॉप...

ये है ताजा राष्ट्रीय रैंकिंग : इस रैंकिंग में इंजीनियरिंग के शीर्ष दस संस्थानों की सूची में आठ आईआईटी, दो एनआईटी ने जगह बनाई. कॉलेजों की श्रेणी में मिरांडा हाउस सर्वश्रेष्ठ कॉलेज, लेडी श्रीराम कालेज फॉर वीमन को दूसरा स्थान मिला. वहीं, विश्वविद्यालयों की श्रेणी में भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बेंगलुरू को पहला, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली को दूसरा, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय को तीसरा स्थान मिला. जामिया हमदर्द फार्मेसी विषय में लगातार तीसरे साल सूची में सबसे ऊपर है. नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बैंगलोर ने लगातार चौथे वर्ष विधि के लिए अपना पहला स्थान बरकरार रखा है. कॉलेजों की रैंकिंग में दिल्ली के कॉलेजों का दबदबा रहा और पहले 10 कॉलेजों में से दिल्ली के पांच कॉलेजों ने जगह बनाई है. मणिपाल कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज, मणिपाल ने दंत चिकित्सा श्रेणी में पहला स्थान हासिल किया.

261 कॉलेजों में से केवल 4 रैंकिंग लायक : छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा की हालत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 261 सरकारी कॉलेजों में से सिर्फ 4 एनआईआरएफ में शामिल हुए और किसी को टॉप 100 में जगह नहीं मिली. एक सेंट्रल यूनिवर्सिटी और एक राजकीय विवि ने हिस्सा लिया. कुशाभाऊ ठाकरे, दुर्ग, बिलासपुर, बस्तर यूनिवर्सिटी तकनीकी कारणों से शामिल नहीं हुए. 5 निजी विश्वविद्यालय शामिल हुए जिनमें से कलिंगा विश्वविद्यालय ने रविवि के साथ रैंक बैंड 151-200 में जगह बनाई है.

रविवि रैंक बैंड 151-200 में : पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ओवरऑल कैटेगरी में जगह नहीं बना सकी है. पिछली बार ओवरऑल कैटेगरी में 101-150 रैंक बैंड मिली थी. यूनिवर्सिटी कैटेगरी में पिछली बार रविवि ने 101-150 में जगह बनाई थी, लेकिन इस बार फिसलकर 151 से 200 में रैंक बैंड मिली है. फॉर्मेसी में रैंक बैंड 59 से फिसलकर 71 पहुंच गई है. उधर, गुरु घासीदास यूनिवर्सिटी के फॉर्मेसी संस्थान को रैंक बैंड में 2 अंक सुधार हुआ है. इस बार रैंक बैंड 42 मिली है, पिछली बार 44 थी.

मेडिकल, डेंटल कॉलेज शामिल ही नहीं हुए : राज्य के मेडिकल और डेंटल कॉलेज तथा आयुष यूनिवर्सिटी ने एनआईआरएफ में हिस्सा ही नहीं लिया. एम्स रायपुर में हिस्सा किया, लेकिन टॉप 100 में वह नहीं है. लॉ यूनिवर्सिटी, ट्रिपलआईटी, आईआईटी शामिल हुए हैं. लॉ में मैट्स यूनिवर्सिटी और गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी ने सहभागिता निभाई लेकिन टॉप रैंकिंग में शामिल नहीं है.

आईआईएम रायपुर की चमक बढ़ी : आईआईएम रायपुर की चमक लगातार बढ़ रही है. मैनेजमेंट कैटेगरी में इस बार रैंक बैंड 15 मिला है. पिछली बार रैंक बैंड 19 में संस्थान थी. इंजीनियरिंग कैटेगरी में एनआईटी रायपुर के रैंक में भी सुधार हुआ है. पिछली बार रैंक बैंड 67 था, जो कि इस बार 64 आया है. उधर, 3 सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज, बीआईटी, चौकसे, सीएसआईटी, एसएसआईपीएमटी, एसएसजीआई टॉप 100 में जगह नहीं बना पाए.

Navbahart, 10th Sep. 2021,p. 1